ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६५
दिनांक- शुक्रवार, ०२ सितम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.8 एवं 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.2 एवं दोपहर में 37.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 4.2 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03–07 सितम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03–07 सितम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। इस दौरान तराई तथा मैदानी जिलों के अनेक स्थानों पर हल्की बर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने का भी अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 26–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमान की अवधि में पछिया हवा औसतन 8–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सितम्बर अरहर की पूसा–9 एवं शरद प्रभेद की बुआई उचॉस जमीन में करे। उत्तर बिहार के लिए यह अनुसंषित प्रभेद है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगरानी करें। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तिया सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते है जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी–कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड / 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। बीमार पौधों की पत्तियों पर पीले सुनहरे चकत्ते पायें जाते है एवं बीमारी की उग्र अवस्था में पूरी पत्ती पिली पड जाती है। पत्तियॉ आकार में छोटी हो जाती है। पुष्प एवं फलन प्रभावित हो जाती है। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- फूलगोभी की अगात किस्मों की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे गिराये।
- टमाटर की काषी विषेष, काषी अमन, स्वर्ण लालिमा, स्वर्ण नवीन, अर्का आभा किस्मों की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें।
- अगात मूली की बुआई करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देषी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रष्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निषान्त आदि प्रभेद अनुषंसित है। बीजदर 4 से 5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा 25X10 से0मी0 की दूरी पर बुआई करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1 किलोग्राम सोडियम मालिब्डेट या अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। अगात फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुषंसित है।
- टमाटर की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। मिर्च, बैगन, टमाटर की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है जिससे पौध के पत्ते टेढ़े–मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते है। यह बड़ी तेजी से एक–पौधें से दुसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम विज्ञान)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी